



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 नवम्बर, 2005/28 कार्तिक, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 नवम्बर, 2005

संख्या एल० एल० आर०-डी० (6) 36/2005-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 16-11-2005 को प्रख्यापित

हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अध्यादेश, 2005 (2005 का अध्यादेश संख्यांक 10) को संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव (विधि) ।

2005 का हिमाचल प्रदेश अध्यादेश संख्यांक 10.

हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अध्यादेश, 2005

भारत गणराज्य के छपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित ।

हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 (1973 का 4) का और संशोधन करने के लिए अध्यादेश ।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सब में नहीं है और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं जिनके कारण तुरन्त कार्रवाई करना आवश्यक हो गया है;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अध्यादेश प्रख्यापित करते हैं :—

1 (1) इस अध्यादेश का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अध्यादेश, 2005 है । संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ।

(2) यह जनवरी, 2000 के प्रथम दिवस को प्रवृत्त होगा और सदैव प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा ।

1973
का 4.

2. हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 की धारा 14 में धारा 14 उप-धारा (6) के पश्चात् निम्नलिखित उप-धारा अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :— का संशोधन ।

“(7) धारा 3 की उप-धारा (1) तथा धारा 3-क की उप-धारा (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अनुसूची-III के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट किसी भी परिवहन यान पर, इस अधिनियम के अधीन कर के असंदाय के लिए ऐसे परिवहन यान के निरुद्ध रखे जाने और अभिग्रहीत किए जाने की अवधि के दौरान, कोई भी कर उद्गृहीत, प्रभारित और संदत्त नहीं किया जाएगा ।” ।

विष्णु सदाशिव कोकजे,
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ।

प्रधान सचिव (विधि);
हिमाचल प्रदेश सरकार ।

शिमला :
तारीख : 16-11-2005.

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Himachal Pradesh Ordinance No. 10 of 2005.

THE HIMACHAL PRADESH MOTOR VEHICLES TAXATION
(AMENDMENT) ORDINANCE, 2005*Promulgated by the Governor of Himachal Pradesh in the Fifty-sixth year of the Republic of India.*

An Ordinance further to amend the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Act, 1972 (Act No. 4 of 1973).

WHEREAS the Legislative Assembly of Himachal Pradesh is not in session and the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (1) of article 213 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to promulgate the following Ordinance :—

1. (1) This Ordinance may be called the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (Amendment) Ordinance, 2005.

(2) It shall and shall always be deemed to have come into force on 1st day of January, 2000.

2. In section 14 of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Act, 1972, after sub section (6) the following sub-section shall be inserted, namely :—

4 of 1973.

“(7) Notwithstanding anything contained in sub-section (1) of section 3 and sub-section (1) of section 3A, no tax shall be levied, charged and paid on any transport vehicle specified in column (2) of Schedule-III during the period of detention and seizure of such transport vehicle for non payment of tax under this Act.”.